प्रेरणा
अगर कुछ गलत हो रहा हैं तो, उससे भागने की बजाए उसे, ठीक करे तभी आगे बढ़ पाएंगे !

सच कहने की ताकत
साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 07 JULY TO 13 JULY 2023 • VOLUME 50 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges & *Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

राज्य में खुलेंगे आठ हाई-टेक सैंटर

सीएम मान ने कहा- विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की मिलेगी ट्रेनिंग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरूवार को कहा कि यह पहली दफ़ा है कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य के 29936 नौजवानों को सरकारी नौकरियाँ दीं गई हैं, जो एक रिकार्ड है क्योंकि देश भर में किसी भी राज्य सरकार ने पहले साल में नौजवानों को इतनी नौकरियां नहीं दीं हैं।

यहाँ म्युंसिपल भवन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बिजली और मेडिकल अनुसंधान विभाग में 252 नये भर्ती हुए नौजवानों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद इक्ट्ठ को संबोधन करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को मान महसूस करना चाहिए कि वह राज्य सरकार का हिस्सा बन रहे हैं, जो नये पंजाब की सृजना के लिए अथक मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा यह भर्ती मुहिम पूरी तरह मेरिट के आधार पर चलाई जा रही है और सिर्फ़ योग्य और जरूरतमंद उम्मीदवारों को ही नौकरियाँ दीं जा रही हैं। भगवंत मान ने कहा कि यह भर्ती केवल मेरिट के आधार पर ही की जा रही है, जिसमें न तो कोई सिफारिश और न ही कोई तरकीब काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ट्रेनिंग देने के मद्देनज़र आठ हाई-टेक सैंटर खोल रही है। मान ने कहा कि यह केंद्र नौजवानों को यूपीएससी की परीक्षा पास करने और राज्य और देश में उच्च पदों पर पहुँचने के लिए मानक ट्रेनिंग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य नौजवानों को उच्च पदों पर बैठा कर देश की सेवा करना यकीनी बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के इतिहास में यह पहली बार है जब पंजाब सरकार कोयला आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए राज्य में एक प्राईवेट थर्मल प्लांट खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के बिजली उत्पादन को बढ़ा कर अतिरिक्त बिजली जुटाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और हरभजन सिंह और अन्य भी उपस्थित थे।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र में आईपीडी सेवाओं की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** एसएएस नगर

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरूवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही राज्य भर के गाँवों में कैंसर मरीजों की बीमारी की प्राथमिक स्टेज पर ही पहचान करने के लिए मोबाइल वैनें शुरू करेगी। यहाँ होमी भाभा मेमोरियल कैंसर अस्पताल में आई. पी. डी. सेवाओं का उद्घाटन करने बाद में इक्ट्ठ को संबोधन करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंसर की नामुराद और घातक बीमारी को प्रभावी ढंग से निपटना समय की मुख्य ज़रूरत है। उन्होंने आशा अभिव्यक्त की कि यह वाहन कैंसर की बीमारी का जल्द पता लगाने में मददगार साबित होंगे, जिससे राज्य में बहुत सी कीमती जानें बचाई जा सकेंगी। भगवंत मान ने कहा कि चाहे लोग इस ख़तरनाक बीमारी की जांच करवाने में थोड़ी झिझक और डर महसूस करते हैं, परन्तु राज्य सरकार पंजाब में कैंसर की बीमारी की जांच को यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने राज्य में हैपेटाईटस -सी के मरीज़ों की बढ़ रही संख्या पर भी चिंता जतायी। उन्होंने कहा कि यह वैनें इस बीमारी से पीड़ित मरीज़ों की जांच और इलाज को यकीनी बनाने में भी सहायक होंगी। भगवंत मान ने कहा कि यह 'हैल्थ चैक आन वील्हज़' स्कीम एक स्वस्थ और प्रगतिशील पंजाब की सृजना में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने कैंसर की रोकथाम को यकीनी बनाने के लिए पहले ही सभी तैयारियाँ कर ली हैं। भगवंत मान ने कहा कि इस काम के लिए यह वैनें निर्णायक भूमिका अदा कर सकती हैं।

पंजाब की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा, शिअद से गठबंधन नहीं

अमृतसर : गुजरात के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता विजय रूपाणी ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में लोकसभा की सभी 13 सीटों पर भाजपा अकेले चुनाव लड़ेगी। आगामी 2024 के चुनावों में बीजेपी पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी और दिल्ली (केंद्र) में तीसरी बार सरकार बनाएगी।

इससे पहले पंजाब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ से जब अकाली दल से गठबंधन को लेकर कहा था कि पंजाब में गठबंधन को लेकर फैसला हाईकमान को लेना है। साथ ही उन्होंने कहा कि अब बीजेपी पंजाब में सभी 13 लोकसभा और 117 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को एकमात्र विकल्प के रूप में स्थापित करेगी, यानि बीजेपी अपने आपको इतना मजबूती स्थिति में खड़ा करेगी कि उसे किसी साथी के सहारे की जरूरत ना पड़े।

सुखबीर सिंह बादल ने गठबंधन को मीडिया अटकलें बताया

सुखबीर सिंह बादल ने मीडिया के सामने आकर ये साफ कर दिया कि पंजाब में शिरोमणि अकाली

दल बीजेपी के साथ कोई गठबंधन नहीं करने जा रही है। बादल ने तेवर दिखाते हुए कहा कि उनकी पार्टी का गठबंधन बीएसपी से है तो बीजेपी से एलायंस का सवाल कहां से आ रहा है? बीजेपी से गठबंधन की बात मात्र मीडिया की अटकलें हैं। बादल के इस बयान के बाद यह साफ हो गया कि हाल फिलहाल में अकाली-दल-भाजपा का कोई गठबंधन नहीं होने वाला है।

पंजाब कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी गठित

हरीश चौधरी, राजा वड़िंग समेत 31 नेताओं को मिली जगह

नई दिल्ली. पंजाब कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी का गठन कर दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसकी मंजूरी दे दी है। इसमें 31 नेताओं को जगह दी गई है।

लिस्ट में हरीश चौधरी, अमरेंद्र सिंह राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा, अंबिका सोनी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, विजय इंदर सिंगला, गुरकीरत सिंह, तेजिंदर सिंह बिट्टू, सुखपाल सिंह खैरा, राजिंदर कौर भट्टल, चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू का नाम शामिल है। इसके अलावा मनीष तिवारी, राणा कंवरपाल सिंह, परगट सिंह, कुलीजत सिंह नागरा, राणा गुरजीत सिंह, त्रिपत राजिंदर सिंह बाजवा, राज कुमार चब्बेवाल, सुखविंदर सिंह डैनी, रवनीत सिंह बिट्टू, गुरजीत सिंह औजला, डॉ. अमर सिंह, मोहम्मद सादिक, पवन आदिया, ओपी सोनी, सुखबिंदर सिंह सरकारिया, राकेश पांडेय, रजिया सुल्ताना, संगत सिंह गिलजियां और संदीप संधू का नाम भी शामिल है।

एनजीटी ने न्यायमूर्ति शेओ कुमार सिंह-I को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली. एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, केंद्र सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शेओ कुमार सिंह-I को ट्रिब्यूनल का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया

है। यह निर्णय न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की सेवानिवृत्ति के मद्देनजर आया है, जो जुलाई 2018 से एनजीटी अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने गुरुवार को एक अधिसूचना जारी की, जिसमें न्यायमूर्ति शेओ कुमार सिंह-प्रथम को नए अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के लिए अधिकृत किया गया। न्यायमूर्ति शेओ कुमार सिंह-प्रथम, जो 2020 में न्यायिक सदस्य के रूप में एनजीटी में शामिल हुए, उन्होंने पहले भोपाल में सेंट्रल जोन बेंच में न्यायिक सदस्य के रूप में कार्य किया था। यह नियुक्ति पर्यावरणीय मामलों के निर्बाध कामकाज और प्रभावी निपटान को सुनिश्चित करने के लिए एनजीटी और सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

हाल के वर्षों में, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) हमारे देश में पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में उभरा है। पर्यावरणीय मानदंडों, वन संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों और प्रदूषण पीड़ितों के मुआवजे से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटान पर ध्यान देने के साथ, एनजीटी सतत विकास सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। एनजीटी की सफलता में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक सिविल प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम के तहत साक्ष्य के नियम से परे अपनी स्वयं की प्रक्रियाओं को विकसित करने की क्षमता है। यह लचीलापन एनजीटी को पर्यावरणीय मामलों की अनूठी प्रकृति के अनुसार अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने और उल्लंघनों का तेजी से समाधान करने की अनुमति देता है।

पंप मालिक से रिश्वत लेता समाज सेवी और प्राईवेट डाक्टर काबू

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शुरु की मुहिम के अंतर्गत पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने आज एक प्राईवेट डाक्टर और एक समाज सेवी को 2 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ़्तार किया है। गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान डाक्टर अशोक कुमार, बीएएमएस, जो नवजीवन क्लीनिक चलाता है और समाज सेवी राजवीर सिंह निवासी सुंदर नगर, लुधियाना के तौर पर हुई है।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि मुलजिमों को लखवीर सिंह निवासी गुरू गोबिन्द सिंह नगर, बरोटा रोड, लुधियाना की शिकायत पर

गिरफ़्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि प्राथमिक जांच के बाद विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने ट्रैप लगा कर डाक्टर अशोक कुमार और राजवीर सिंह को डीएफएससी और पीपीसीबी के अधिकारियों के नाम पर सरकारी गवाहों की हाज़िरी में 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुये मौके पर गिरफ़्तार कर लिया।

इन दोनों मुलजिमों को डाक्टर अशोक कुमार की तरफ से चलाए जा रहे नवजीवन क्लीनिक से गिरफ़्तार किया गया है और इन मुलजिमों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जायेगा।

रिश्वत लेने के दोष में अमृतसर नगर सुधार ट्रस्ट के वकील पर केस दर्ज

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के दिशा-निर्देशों पर भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ शुरु की मुहिम के अंतर्गत पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने आज नगर सुधार ट्रस्ट, अमृतसर के सरकारी वकील गौतम मजीठिया के ख़िलाफ़ अधिग्रहीत 20 बीघे ज़मीन का मुआवज़ा जारी करवाने के एवज में 8 लाख रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन केस दर्ज किया है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि मुलजिम वकील के ख़िलाफ़ यह केस जतिन्दर सिंह निवासी प्रताप ऐवीन्यू, अमृतसर की शिकायत पर दर्ज किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद उक्त वकील के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत थाना विजीलैंस ब्यूरो, अमृतसर रेंज में केस दर्ज किया गया है और एडवोकेट गौतम मजीठिया को गिरफ़्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

पंजाब वक्फ़ बोर्ड भ्रष्टाचार के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरैंस की नीति के अनुसार कर रहा काम

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

सरकारी सहायता प्राप्त स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक

संस्थाओं के कामकाज में और अधिक पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से पंजाब वक्फ़ बोर्ड द्वारा हजरत हलीमा मैटरनिटी और जनरल अस्पताल मालेरकोटला का थर्ड पार्टी ऑडिट करवाने के आदेश दिए गए हैं। इस सम्बन्धी और ज्यादा जानकारी देते हुए ए.डी.जी.पी.-कम-प्रशासक पंजाब वक्फ़ बोर्ड एम.एफ. फारूकी ने बताया कि बोर्ड द्वारा अनियमितताओं सम्बन्धी रिपोर्टें मिलने के बाद ऑडिट एक स्वतंत्र ऑडिट फर्म द्वारा करवाया जायेगा।

ज़िक्रयोग्य है कि लोगों द्वारा वित्तीय अनियमितताओं के मुद्दे उठाए जाने के कारण भाईचारे द्वारा इस अस्पताल के कामकाज में सुधार लाने की ज़ोरदार माँग की जा रही थी। इन शिकायतों का गंभीर नोटिस लेते हुए पंजाब वक्फ़ बोर्ड द्वारा इस अस्पताल का थर्ड पार्टी ऑडिट करवाने का फ़ैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि ऑडिट में कोई कमी पाई गई तो इसके लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों/कर्मचारियों के ख़िलाफ़ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

एमपी रिंकू द्वारा 6000 छात्राओं को वित्तीय सहायता देने की शुरुआत

एनआरआईज़ द्वारा राज्य की तरक्की और ख़ुशहाली में दिए जा रहे कीमती योगदान की सराहना की

कहा- प्रवासी भारतीय द्वारा किया गया प्रयास अन्यों के लिए प्रकाश स्तम्भ साबित होगा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लड़कियों को उच्च शिक्षा में मदद करने के उद्देश्य से लोक सभा मैंबर सुशील कुमार रिंकू ने आज प्रवासी भारतीय प्रमोद महन्दीरत्ता के सहयोग से ज़िले की 10वीं और 12वीं कक्षा में पढने वाली छात्राओं को वित्तीय सहायता राशि प्रदान करने की शुरुआत करते हुए अन्यों को भी ऐसे नेक प्रयास करने का न्योता दिया। प्रवासी भारतीय प्रमोद महन्दीरत्ता के भाई रविन्दर महन्दीरत्ता और सहयोगी मदद लाल समेत इस नेक कार्य का आग़ाज़ करते हुए संसद मैंबर ने बताया कि 6000 छात्राओं को यह वित्तीय सहायता मुहैया करवाई जायेगी, जिसका शुभारंभ गुरूवार को बस्ती दानिशमन्दां से छात्राओं को यह राशि प्रदान करके किया गया है। ऑस्ट्रिया से सम्बन्धित एन.आर.आई. द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए मैंबर पार्लियामेंट ने कहा कि यह कदम अन्यों के लिए प्रकाश स्तम्भ साबित होगा।

राज्य की तरक्की और ख़ुशहाली में प्रवासी भारतीयों द्वारा दिए जा रहे कीमती योगदान की सराहना करते हुए मैंबर पार्लियामेंट ने कहा कि प्रवासी भारतीयों ख़ासकर गाँवों में एन.आर.आईज़ द्वारा शिक्षा सम्बन्धी बुनियादी ढांचा सृजन करने के लिए किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि एन.आर.आईज़ का सहयोग यकीनी तौर पर शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी तबदीलियाँ लाने में लाभदायक साबित होगा।

इस प्रयास के लिए महन्दीरत्ता परिवार का धन्यवाद करते हुए उन्होंने अन्य प्रवासी भारतीयों, ग़ैर-सरकारी संगठनों और दानी सज्जनों को भी ऐसे नेक कार्यों में योगदान देने का न्योता दिया।

उत्तराखंड में हैं ये खूबसूरत वॉटरफॉल्स, बारिश में बढ़ जाती है सुंदरता

YATRA

अगर आप हाल फिलहाल में कही घूमने का प्लान कर रहे हैं तो आप उत्तराखंड जा सकते हैं। बरिश के दिनों में यहां के वॉटरफॉल्स की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

अगर घूमने के लिए जगह मौसम के मुताबिक चुनी जाए तो ट्रिप यादगार बन जाता है। बारिश के समय में वॉटरफॉल्स की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इस मौसम में अगर आप कहीं घूमने की जगह देख रहे हैं तो आप उत्तराखंड जा सकते हैं। यहां पर कुछ बेहद खूबसूरत वॉटरफॉल्स हैं, जिन्हें आप पार्टनर या फिर फैमिली के साथ देखने के लिए जा सकते हैं।

कॉर्बेट फॉल्स

ये वॉटरफॉल रामनगर से मात्र 25 किलोमीटर की दूरी पर है। अगर आप दिल्ली के आसपास कहीं रहते हैं तो एक दिन में इस जगह को घूम कर वापिस आ सकते हैं। सागौन की लकड़ी का घना जंगल इस जगह की खूबसूरती को बढ़ा देता है। ये उत्तराखंड के सबसे फेमस फॉल्स में से एक है।

वसुधारा फॉल्स

बद्रीनाथ के करीब होने के कारण, वसुधारा फॉल्स के चारों ओर शानदार नजारे दिखते हैं। समुद्र तल से 400 फीट ऊपर ये झरना, 122 मीटर की ऊंचाई से गिरता है। अपनी मन को शांत करने के लिए और सुकून के पल बिताने के लिए आप इस फॉल को देखने जरूर जाएं।

नीर गढ़ फॉल्स

ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से नीर गढ़ फॉल्स आसानी से पहुंच सकते हैं। इस झरने पर दो पुल भी हैं और यहां पाई जाने वाली रंग-बिरंगी तितलियां इस जगह की खूबसूरती को बढ़ाती हैं।

केम्प्टी फॉल्स

मसूरी से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित, केम्प्टी फॉल्स एक शांत झरना है। ये जगह पर्यटकों के बीच काफी फेमस है। इस जगह को पिकनिक के लिए अच्छा माना जाता है। कुछ देर एंजॉय करने के लिए आप इस जगह पर जा सकते हैं।

भट्टा फॉल्स

ये फॉल भी मसूरी के पास ही है। यहां आप भट्टा गांव में बस या कार के जरिए आसानी से पहुंच सकते हैं। इस जगह पर आपको ज्यादातर विदेशी लोग मिलेंगे। यहां कुछ देर शांति से बैठ कर आप सुकून के पल बिता सकते हैं।

FASHION+

मानसून में निकल रहीं घर से बाहर तो याद रहें ये फैशन रूल्स

बारिश के मौसम में घर से बाहर निकल रही हैं तो स्टाइलिश कपड़ें और फुटवियर पहनने के साथ ही इन छोटी-छोटी बातों को ना भूलें। नहीं तो होना पड़ सकता है शर्मिंदा।

तस्वीर साभार Social Media

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

मानसून का मौसम बिन बुलाई बारिश का होता है। इन दिनों पता ही नहीं चलता कि कब बारिश होना शुरू हो जाएगी। अचानक से धूप और फिर बादल आ जाते हैं। ऐसे मं घर से बाहर निकलते समय बारिश के हिसाब से कपड़े पहनकर निकलना चाहिए। जिससे कि कहीं पर भी शर्मिंदगी का सामना ना करना पड़े। खासतौर पर कॉलेज या ऑफिस गोइंग गर्ल्स को कुछ खास किस्म के कपड़ों और जूतों से दूरी बनाकर रखें और वहीं इन कपड़ों को आलमारी में जरूर रखें।

सफेद कपड़ों से रहें दूर

सफेद कलर भले ही काफी कूल लुक देता हो लेकिन बारिश के दिनों में इसे अवॉइड करने में ही भलाई है। क्योंकि सफेद कपड़ों पर गलती से भी कीचड़ का निशान पड़ गया तो वो जरा भी अच्छा नहीं दिखेगा।

लेदर शूज से बचें

बारिश के मौसम में फुटवियर का सबसे ज्यादा ख्याल रखें। ऐसे शूज ना पहनें जो लेदर या पानी सोखने वाले मटैरियल से बना हो। साथ ही स्ट्राईप वाली सैंडिल कई बार पानी में भीगकर टूट जाती है। तो इस मौसम में खुले पैरों वाली वाटरप्रूफ सैंडिल ही पहनें। जिससे कहीं पर भी अचानक से एंबरसमेंट ना फील करनी पड़े।

हल्के कपड़ों से दूरी

शिफॉन, जॉर्जेट जैसे महीन और बिल्कुल झीने कपड़ों को ना पहनें। क्योंकि जरा सी बारिश में भीगते ही ये कपड़े खऱाब होने लगते हैं और इनका रंग भी उतर जाता है। तो शर्मिंदगी से बचना है तो बारिश के सीजन में महीन फैब्रिक वाले कपड़ों को अंदर ही रखें।

तस्वीर साभार Social Media

World Biryani Day सेलिब्रेट करने के लिए बेस्ट हैं ये शानदार रेसिपी

दुनियाभर में साल 2023 में दूसरी बार वर्ल्ड बिरियानी डे मनाया जा रहा है। इस खास दिन को हर साल जुलाई के पहले रविवार को मनाने की परंपरा शुरू हुई है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

दुनियाभर में इस साल एक बार फिर से वर्ल्ड बिरियानी डे मनाया जा रहा है। साल 2022 में शुरु हुए इस खास डे को जुलाई के पहले रविवार को मनाया जाता है। पिछले साल की तरह ये साल भी बिरियानी लवर्स के लिए बेहद खास है।

बिरियानी काफी स्पेशल डिश है। क्योंकि इसमे केवल एक ही पॉट में आपको सारे फ्लेवर मिल जाएंगे। यहीं नहीं भारत के लगभग हर हिस्से में अपने तरह की खास बिरियानी की रेसिपी है। जिसे दुनियाभर के खाने के शौकीन पसंद करते हैं। तो अगर आप भी अपने फेवरेट बिरियानी के इस खास दिन को सेलिब्रेट करना चाहते हैं तो इन 6 क्लासिक रेसिपी का स्वाद जरूर चखें।

कश्मीरी दम बिरियानी

कश्मीर के केसर के रंग और महक के साथ मटन के टुकड़े और चावल की खूशबू को मसालों के साथ पकाया जाता है। जिसका स्वाद और रंगत दोनों ही काफी रॉयल दिखता है। तो अगर आप बिरियानी खाने के शौकीन हैं तो कश्मीरी स्टाइल बिरियानी का स्वाद आज जरूर चखें।

मटन मंडी बिरियानी

मटन के स्टॉक में बिरियानी के चावलों को पकाया जाता है। जिससे इसका स्वाद और बढ़ जाता है। मीट के शौकीन मटन मंडी बिरियानी को काफी पसंद करते हैं।

कोलकाता चिकन बिरियानी

कोलकाता के खास स्टाइल में तैयार चिकन बिरियानी का स्वाद एक बार जरूर चखना चाहिए। इसमे आलू और खास तरह के मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे ये काफी लाजवाब लगती है।

हैदराबादी दम बिरियानी

बिरियानी सबसे ज्यादा हैदराबाद से ही पॉपुलर हुई है। इसमे चिकन को चावलों के साथ मिलाकर पकाया जाता है। जिससे इसका स्वाद काफी अलग और खास होता है।

मालाबार फिश बिरियानी

साउथ इंडियन स्टाइल में तैयार नारियल के स्वाद और खुशबू वाली मालाबार फिश बिरियानी काफी अलग और टेस्टी लगती है। जिसमे फिश का इस्तेमाल किया जाता है।

वेज बिरियानी

नॉनवेज लवर्स के साथ ही बिरियानी के स्वाद को वेजिटेबल के साथ भी लाया जा सकता है। अगर आप वेजिटेरियन हैं तो कटहल या वेज बिरियानी का टेस्ट ले सकते हैं।

4 साल से ही बच्चों में डाल दें ओरल हाइजीन की ये आदतें, नहीं लगेंगे दांतों में कीड़े

PARENTING

अपने 4 साल की उम्र तक पहुंचते बच्चों को सिखाएं ये ओरल हाइजीन की आदतें। इससे बच्चों को दांतों में दर्द और कीड़े लगने की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा और दांत हेल्दी रहेंगे।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बच्चे अक्सर मीठा खाने की जिद करते हैं। टॉफी, आइसक्रीम, कैंडी, लॉलीपॉप और बहुत सारी चीजें। जिनका स्वाद मीठा हो वो बच्चों को अक्सर पसंद आती है। जिसका नतीजा कि कम उम्र में बच्चों के दांतों में सड़न होने लगती है और कीड़े लग जाते हैं। जिसकी वजह से दांतों में तेज दर्द होने लगता है। कई बार तो ये कैविटी बच्चों के पूरे दांत ही खराब कर देती है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को मुंह की साफ-सफाई के बारे में सिखाया जाए। कम उम्र से ही उनमे ऐसी आदतें डाल दें कि बच्चे अपने दांत और ओरल हेल्थ के प्रति समझदार रहें और खुद ही ख्याल रखें। अपने बच्चों में इन 5 ओरल हाइजीन की आदत को जरूर डालें। जिससे कि बच्चे बड़े होते-होते भी आसानी से याद रख सकें।

सोने से पहले ब्रश कराएं

बच्चों को जब ब्रश करना सिखाएं, तब से ही सोने के पहले ब्रश कराने की आदत जरूर लगाएं। ये हेल्दी हैबिट उनके दांतों को लाइफ टाइम बचाकर रखने में मदद करेगी। दो बार ब्रश करने की आदत दांतों के बैक्टीरिया और जर्म्स को आसानी से निकालती है। जिससे दांतों में कीड़े लगने का डर नहीं होता।

कुल्ला करने की आदत डलवाएं

बच्चे अगर डोनट्स, पिज्जा, बर्गर या फिर कैंडी, चॉकलेट जैसी चीजें खाते हैं तो उसके बाद उन्हें मुंह धुलवाने की आदत लगाएं। पानी से कुल्ला करने या गरारे करने से मुंह साफ होता है और दांतों में चिपके कण निकल जाते हैं। बच्चे को कुछ भी खाने के बाद मुंह साफ करने की आदत ओरल हाइजीन के लिए बहुत जरूरी है।

जीभ साफ करवाएं

दांतों के साथ ही जीभ की सफाई भी बहुत जरूरी है। ब्रश करने के बाद टंगक्लीनर की मदद से बच्चे की जीभ साफ करना उसे सिखाएं। ये आदत बैड ब्रीथ जैसी समस्या को कम करेगी।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

हरे-हरे सेबों में छिपा है सेहत का खजाना, हेल्थ को होते हैं इतने सारे फायदे

HEALTH CARE

बारिश के मौसम में मार्केट में हरे सेब खूब मिलते हैं। लाल सेब की तरह ही ये हरे सेब भी सेहत से भरपूर होते हैं। अपने अलग स्वाद के साथ इसे खाने से बॉडी ये जरूरी पोषक तत्व मिलते है...

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

लाल रंग का सेब तो खूब खाया होगा लेकिन हरे वाले सेब को लोग अक्सर इग्नोर करते हैं। स्वाद में हल्के खट्टे और बिल्कुल क्रिस्पी से ये सेब काफी टेस्टी होते हैं। जिसमे ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं। कई बार इन हल्के हरे रंग के सेब में लाल रंग के धब्बे भी होते हैं। जिसे देखकर लोग लाल सेब ही समझते हैं। लेकिन बता दें कि ये दोनों ही सेब काफी अलग होते हैं और लाल सेब की तरह इसे भी डाइट में शामिल करने से ढेर सारे मिनरल्स और विटामिन मिल सकते हैं।

अगर आप अभी तक ग्रीन सेब को डाइट से बाहर रखे थे तो इन 6 फायदों को जानकर जरूर खाने लगेंगे। जानें क्या हैं हरे सेब को खाने के फायदे।

बूस्ट करने में मदद

सेब एंटीऑक्सीडेंट के रिच सोर्स होते हैं। जो इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं। इसलिए इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए अक्सर सेब खाने की सलाह दी जाती है। ग्रीन एप्पल में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अच्छी होती है। साथ ही विटामिन सी, फ्लेवेनॉएड्स और पॉलीफेनॉल्स भी होते हैं। जो इम्यून सिस्टम को ठीक से काम करने में मदद करते हैं।

डाइजेशन में हेल्प करता है

ग्रीन एप्पल में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। जो डाइजेशन में मदद करता है और कब्ज से राहत देता है। ग्रीन एप्पल में पेक्टिन होता है। जो फाइबर का सोर्स है और प्रोबायोटिक का काम करते हैं। जिससे आंतों में हेल्दी बैक्टीरिया की मात्रा को बढ़ाने में मदद मिलती है। इसलिए ग्रीन एप्पल डाइजेस्टिव सिस्टम को सही करने के लिए एक अच्छा फ्रूट है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

वेट लूज करने में मदद

ग्रीन एप्पल में मौजूद फाइबर कंटेट इसे वेट लूज करने के लिए बेस्ट फ्रूट बनाते हैं। इसे खाने से पेट भरा रहता है और जल्दी भूख नहीं लगती। अनहेल्दी स्नैकिंग ना होने की वजह से ये वेट लूज करने में तेजी से मदद करता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है

ग्रीन एप्पल में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है और टाइप 2 डायबिटीज को होने से रोकता है। जिन फूड्स में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है वो धीरे डाइजेस्ट होते हैं और ब्लड में धीरे अब्जॉर्ब होते हैं। जिसकी वजह से ब्लड शुगर का लेवल तेजी से नहीं बढ़ता और डायबिटीज की समस्या होने से रोकता है। इसलिए ग्रीन एप्पल डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छा ऑप्शन है।

हार्ट हेल्थ को इंप्रूव करता है

ग्रीन हेल्थ में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ज्यादा होती है जो सूजन और हार्ट हेल्थ को होने से रोकता है। इसमे मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है। जिससे हार्ट डिसीज का रिस्क कम होता है।

कैंसर से बचाने में मदद

ग्रीन एप्पल में फाइटोकेमिकल की मात्रा कैंसर से बचाने में इफेक्टिव है। साथ ही इसे एंटीऑक्सीडेंट तत्व दिमाग की कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाते हैं। जिसकी वजह से डिमेंशिया जैसी बीमारी का रिस्क कम हो जाता है और दिमाग हेल्दी बना रहता है।

समावेशन के लिए सहायक प्रौद्योगिकी : भारत का दृष्टिकोण और क्षमता

सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) अर्थात ऐसा कोई भी उत्पाद या सेवा, जिसके माध्यम से दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) अथवा इस तरह की किसी भी स्वास्थ्य स्थितियों का सामना कर रहे लोगों को मुख्यधारा में शामिल होने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दैनिक गतिविधियों का निर्वहन करने में सहायता की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ द्वारा मई 2022 में सहायक प्रौद्योगिकी पर जारी की गई पहली वैश्विक रिपोर्ट (जीआरईएटी) के अनुसार, दुनिया में 2.5 बिलियन से अधिक लोगों को एक अथवा अधिक सहायक उत्पादों की आवश्यकता होती है।

भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 26.8 मिलियन लोग दिव्यांग हैं और यह उनके लिए सहायक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता को दर्शाता है। भारत में दिव्यांगजनों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच शामिल है। इसके अलावा, कई दिव्यांगजन पहुंच की कमी के कारण परिवहन और आवास जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंचने बनाने के लिए भी संघर्ष करते हैं। सहायक प्रौद्योगिकी दिव्यांगजनों को रोजमर्रा के काम करने और उनके समुदायों में समान रूप से भागीदारी करने में मदद करते हुए इन चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) का उद्देश्य दिव्यांगजनों को गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना है। पिछले कुछ वर्षों में, एलिम्को भारत में एटी के क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार बन चुका है।

एलिम्को सहायक उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करता है, जिसमें प्रोस्थेसिस, ऑर्थोसिस, श्रवण यंत्र और गतिशीलता सहायक उपकरण जैसे ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, स्टिक, वॉकर, बैसाखी आदि शामिल हैं। एलिम्को ने दुनिया भर में प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहायता और सहायक उपकरणों का उत्पादन करने हेतु अपनी सुविधाओं का आधुनिकीकरण करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। इस दिशा में, एलिम्को ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग किया और लोअर लिम्ब प्रोस्थेटिक कंपोनेंट (कृत्रिम पैर) और सक्रिय व्हील चेयर के स्वदेशी निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए टीओटी पर हस्ताक्षर किए। प्रोस्थेटिक्स के लिए एलिम्को द्वारा निर्मित "परिवर्तन किट" का मूल्य इस श्रेणी में आयातित प्रोस्थेसिस की तुलना में बेहद कम है, जिसे देश भर में हजारों लाभार्थियों को लगाया गया है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए स्वदेशी डिजाइन से निर्मित 'सुगम्य' छड़ी की परिकल्पना की गई है। प्रौद्योगिकी ग्रहण करने की दिशा में एलिम्को द्वारा किए गए प्रयासों में अत्याधुनिक प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक केंद्र; उन्नत डिज़ाइन दक्षता के साथ- 3डी मॉडलिंग और विश्लेषण सॉफ़्टवेयर; 3डी

जालंधर ब्रीज

राजेश अग्रवाल
(लेखक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव हैं।)

प्रिंटिंग सहित कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (सीएडी) और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम); सीएनसी स्लाइडिंग हेड मशीन और सीएनसी टर्न मिल मशीन का उपयोग; सटीक/सटीक धातु विश्लेषण के लिए- स्पेक्ट्रो विश्लेषक; बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल में रिवर्स ड्राइव और डिस्क ब्रेक और एक्टिव फोल्डिग व्हील चेयर तथा रफ टेरेन व्हील चेयर का डिजाइन/ड्राइंग जैसी नई सुविधाएँ शामिल की गई हैं। दिव्यांगजनों के लिए सार्वजनिक स्थलों और परिवहन प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार द्वारा 2015 में सुगम्य भारत अभियान का शुभारंभ किया गया था और यह दिव्यांगजनों के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को अधिक सुलभ बनाने पर केंद्रित है। कौशल विकास के लिए 2015 में शुभारंभ की गई राष्ट्रीय कार्य योजना का लक्ष्य 2022 तक दस लाख दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसमें दिव्यांगजनों को उनके कौशल विकसित करने में सहायता करने के लिए एटी प्रदान करने का प्रावधान है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) की सहायता/उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांगजन को सहायता (एडीआईपी) योजना दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है और यह सबसे लोकप्रिय भी है तथा जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए इसमें देश के सभी जिले शामिल हैं। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) के तहत विभाग द्वारा देश भर में नौ राष्ट्रीय संस्थान स्थापित किए गए हैं, साथ ही राष्ट्रीय संस्थानों की विस्तारित शाखाओं के रूप में 21 समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) भी स्थापित किए गए हैं। भारत दिव्यांगजनों के लिए एटी समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्ट-अप में वृद्धि का साक्षी बन रहा है, जो दिव्यांगजनों के लिए नवीन उत्पाद बनाने हेतु नवीनतम तकनीक का लाभ उठा रहे हैं। यह भारत सरकार के समर्थन से समावेशन को बढ़ावा देने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायता कर सकते हैं। आज, एटी दिव्यांगजनों के लिए विश्व मंच पर चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय है, जो दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित एक वैश्विक कार्यक्रम है। कुल मिलाकर, भारत में दिव्यांगता क्षेत्र में सहायक प्रौद्योगिकी का व्यापक दायरा महत्वपूर्ण है और इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले स्टार्ट-अप और इनोवेटर्स का एक बढ़ता हुआ इकोसिस्टम भी है।

सरकार ने समावेशन को बढ़ावा देने और दिव्यांगजनों के जीवन में सुधार लाने में एटी समाधानों की क्षमता को पहचाना है और सरकार एटी समाधानों के विकास, इन्हें अपनाने और इनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। निरंतर निवेश और समर्थन के साथ, एटी समाधानों के विकास और इन्हें अपनाने के मामले में भारत वैश्विक रूप से प्रमुख बनने की क्षमता रखता है।

केंद्र सरकार मशीनरी और उपकरणों की पूंजीगत लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करेगी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सरकार ने पंजाब, हरियाणा, यूपी और दिल्ली राज्यों में पैदा हुई धान की पराली की स्थानीय स्थिति से अलग, एक कुशल प्रबंधन को सक्षम करने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन दिशानिर्देशों को संशोधित किया है।

संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, धान-पराली आपूर्ति श्रृंखला के लिए, लाभार्थी/संग्रहकर्ता (किसान, ग्रामीण उद्यमी, किसानों की सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और पंचायतें) और धान-पराली का उपयोग करने वाले उद्योगों के बीच द्विपक्षीय समझौते के तहत तकनीकी-वाणिज्यिक पायलट परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

सरकार मशीनरी और उपकरणों की पूंजीगत लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। आवश्यक कार्यशील पूंजी को या तो उद्योग और लाभार्थी द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित किया जा सकता है या लाभार्थी द्वारा कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ), नाबार्ड या वित्तीय संस्थानों से वित्तपोषण का उपयोग किया जा सकता है। एकत्रित धान-पराली के भंडारण के लिए भूमि की व्यवस्था और इसकी तैयारी लाभार्थी द्वारा की जाएगी, जिसे अंतिम उपयोगकर्ता उद्योग द्वारा निर्देशित किया जा सकता है।

उच्च एचपी वाले ट्रैक्टर, कटर, टेडर, मध्यम से बड़ी गांठ बांधने वाली मशीन, रेकर, लोडर, ग्रैबर्स और टेलीहैंडलर जैसी मशीनों और उपकरणों के लिए, परियोजना प्रस्ताव आधारित वित्तीय सहायता दी जाएगी, जो धान-पराली आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक होती हैं।

राज्य सरकारें, परियोजना अनुमोदन समिति के माध्यम से इन परियोजनाओं को मंजूरी देंगी।

सरकार (केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से) परियोजना लागत की 65% वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, परियोजना को प्राथमिक प्रोत्साहन देने वाले के रूप में उद्योग 25% का योगदान देगा और एकत्र किए गए फीडस्टॉक के प्राथमिक उपभोक्ता के रूप में कार्य करेगा तथा किसान या किसानों का समूह या ग्रामीण उद्यमी या किसानों की सहकारी समितियां या किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) या पंचायतें; परियोजना की प्रत्यक्ष लाभार्थी होंगी और शेष 10% का योगदान देंगी।

उपरोक्त कार्यक्रमों के निम्न परिणाम होंगे

- यह पहल, स्थानीय स्तर के विकल्पों के माध्यम से होने वाले धान-पराली प्रबंधन के प्रयासों की पूरक सिद्ध होगी
- कार्यक्रम के तीन साल के कार्यकाल के दौरान, 1.5 मिलियन मीट्रिक टन अधिशेष धान-पराली के एकत्र होने की उम्मीद है, जिसे अन्यथा खेतों में जला दिया जाता।
- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों में 4500 मीट्रिक टन क्षमता के लगभग 333 बायोमास संग्रह डिपो निर्मित किये जाएंगे।
- पराली जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण में काफी कमी आयेगी।
- इससे लगभग 9,00,000 मानव दिवस के बराबर, रोजगार के अवसर पैदा होंगे।
- इन कार्यक्रमों से धान-पराली के मजबूत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा, जिनके माध्यम से बिजली/जैव-सीएनजी/जैव-एथेनॉल उत्पादकों द्वारा धान-पराली को विभिन्न अंतिम उपयोगों यानि बिजली उत्पादन, ताप उत्पादन, जैव-सीएनजी, आदि के लिए उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।
- आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना के कारण जैव ईंधन और ऊर्जा क्षेत्रों में नए निवेश की संभावना बढ़ेगी।

अमेरिकी पत्रिका ने पश्चिम एशिया में भारत के ‘अहम शक्ति’ के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रमुख अमेरिकी पत्रिका ‘फॉरेन पॉलिसी’ ने अपने हालिया लेख में पश्चिम एशिया में भारत के ‘‘अहम शक्ति’’ के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला है।

इसे पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में सबसे दिलचस्प भू-राजनीतिक घटनाक्रम में से एक के रूप में देखा जा रहा है। लेख में इजराइल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित क्षेत्र के प्रमुख देशों के साथ नयी दिल्ली के गहरे और बढ़ते संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें कहा गया है कि ये देश बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भारत के उभार का लाभ उठाने के इच्छुक नजर आ रहे हैं।

लेखक स्टीवन ए. कुक ने अपने लेख में तर्क दिया कि इस बात की बेहद कम संभावना है कि अमेरिका इस घटनाक्रम में हस्तक्षेप कर सकता है। लेख में कहा गया कि अमेरिका इस घटनाक्रम से लाभ भी उठा सकता है।

कुक ने जोर दिया, ‘‘यदि अमेरिका के पश्चिम एशियाई साझेदार वाशिंगटन के विकल्प की तलाश में हैं, तो बेहतर होगा कि नयी दिल्ली इन विकल्पों में से एक हो।’’ उन्होंने कहा, ‘‘अमेरिका अब इस क्षेत्र में निर्विवाद रूप से सबसे शक्तिशाली नहीं रह सकता, लेकिन भारत के पश्चिम एशिया में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की सूरत में, न तो रूस और न ही चीन वह भूमिका निभा सकते हैं।’’

लेखक ने लगभग एक दशक पहले की अपनी भारत यात्रा को याद करते हुए जिक्र किया कि उस समय उनके मन में यह बात आई थी कि भारतीय पश्चिम एशिया में बड़ी भूमिका निभाना नहीं चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा के 10 साल बीत जाने के बाद अब चीजें बदल चुकी हैं।

कुक ने लिखा, ‘‘अमेरिकी अधिकारी और विश्लेषक बीजिंग के हर कूटनीतिक कदम को लेकर सचेत हैं तथा पश्चिम एशिया में चीनी निवेश को संदेह की नजर से देखते हैं, जबकि वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र के सबसे दिलचस्प भू-राजनीतिक घटनाक्रम में से एक की अनदेखी करता रहा है: पश्चिम एशिया में भारत का अहम शक्ति के रूप में उभार।’’ लेख में कहा गया है कि जहां तक खाड़ी देशों की बात है, तो यूएई और सऊदी अरब, भारत के साथ संबंधों का विस्तार करने के तरीके तलाश रहे हैं।

इसमें कहा गया कि यह विशेष तौर पर सऊदी अरब के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है जिसके लंबे समय से पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। लेख के मुताबिक, भारत की ओर झुकाव का कारण कुछ हद तक इस्लामी चरमपंथ को रोकने में साझा रुचि हो सकता है, लेकिन प्रभावी कारण आर्थिक तौर से प्रभावित होता है। लेख में भारत और इन दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों पर खास तौर से ध्यान केंद्रित किया गया है।

वहीं, इजराइल के साथ भारत के संबंधों को लेकर लेख में कहा गया कि दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में सबसे बेहतर तरह से संबंध गहरे हुए हैं। लेख के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2017 में इजराइल की यात्रा करने और उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा एक साल बाद भारत की यात्रा किए जाने के बाद ये संबंध विशेष रूप से उच्च तकनीक और रक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकसित हुए हैं।

कुक ने लिखा कि अतीत में भारतीय उद्योगपतियों के इजराइल में निवेश से परहेज के मामले में अब बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में अडाणी समूह और एक इजराइली भागीदार ने हाइफा बंदरगाह के लिए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर की निविदा हासिल की और भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते के लिए भी बातचीत जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया मिस्र यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि यह दौरा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाता है क्योंकि इससे पहले मिस्र के राष्ट्रपति ने लगभग छह महीने पहले भारत की यात्रा की थी और वह भारत के 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित परेड में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। लेख में कहा गया कि चीन की तरह ही भारतीय भी यूरोप और अफ्रीका में अपना माल भेजने के लिए मिस्र को ‘प्रमुख द्वार’ के रूप में देखते हैं।

अमरनाथ सुरक्षित यात्रा को यकीनी बनाने के लिए पंजाब पुलिस ने किये सुरक्षा के पुख़्ता प्रबंध

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्विघ्न और सुरक्षित यात्रा को यकीनी बनाने के लिए पंजाब पुलिस को दिए निर्देशों के मद्देनज़र पुलिस के विशेष डायरैक्टर जनरल (विशेष डीजीपी) कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने सोमवार को पुलिस, फ़ौज, सिवल प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने उक्त यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों का जायज़ा लेने के लिए पठानकोट में उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता की।

यह मीटिंग मौजूदा समय चल रही अमरनाथ यात्रा के लिए रणनीतिक तैयारियों पर केंद्रित थी। मीटिंग में पुलिस तैनाती, सुरक्षा उपाय, यातायात प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न पहलू विचारे गए।

विशेष डीजीपी ने कैंप की सुरक्षा, एक सुचारू संचार नैटवर्क की स्थापना, राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य मार्गों के साथ ट्रैफ़िक नियमों के लिए उचित योजना सहित कई अन्य मसलों पर भी चर्चा की। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को पार्किंग के लिए उचित प्रबंध करने और शंभू बार्डर से फिल्लौर, फिल्लौर से भोगपुर, भोगपुर से पठानकोट और पठानकोट से लखनपुर बैरियर समेत सभी चारों यात्रा मार्गों पर सुरक्षा बलों की रणनीतिक तैनाती करने के लिए भी कहा।

ज़िक्रयोग्य है कि शंभू से माधोपुर तक फैले पंजाब के क्षेत्र को चार सैक्टरों में बांटा गया है- शंभू से फिल्लौर, फिल्लौर से भोगपुर, भोगपुर से मुकेरियाँ, और मुकेरियाँ से माधोपुर।

अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और सिवल प्रशासन के बीच नज़दीकी तालमेल की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए, विशेष डीजीपी ने यात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को यकीनी बनाने के लिए योग्य योजनाबंदी और प्रभावी विधि की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों और बेस कैंपों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रों में मज़बूत सुरक्षा प्रबंधों को यकीनी बनाने के निर्देश दिए।

किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए व्यापक आपदा प्रबंधन प्रबंधों की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने आगज़नी की घटनाओं या बाढ़ों जैसी हंगामी स्थितियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (ऐसओपीज़) को लागू करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

बाद में स्पैशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने पंजाब पुलिस की तरफ से माधोपुर बैरियर में स्थापित सुविधा केंद्र का भी दौरा किया। मीटिंग के दौरान अन्य आदरणियों सहित विभिन्न ब्रिगेडों के कमांडर, डीआईजी बार्डर रेंज नरिन्दर भार्गव, डिप्टी कमिशनर पठानकोट, एसएसपी पठानकोट हरकमल प्रीत सिंह खक्ख, एसएसपी कठुआ, एसएसपी नूरपुर, राय से शैलेश कुमार, आईबी से रविन्द्र ठाकुर भी उपस्थित थे।

पश्चिमी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एनएवी के खंडूरी की सेवानिवृत्ति

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लेफ्टिनेंट जनरल नव के खंडूरी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम आज पश्चिमी सेना कमान से सेवानिवृत हो गए हैं। उनके प्रस्थान पर एक समारोह में, सेना कमांडर ने युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके शहीदों को श्रद्धांजलि दी। जनरल ऑफिसर लगभग 40 वर्षों की विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के पूर्व छात्र, जनरल ऑफिसर भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से 73वें नियमित पाठ्यक्रम के साथ उत्तीर्ण हुए और 17 दिसंबर 1983 को 27 वायु रक्षा रेजिमेंट (अमृतसर एयरफील्ड) में नियुक्त हुए। प्रतिष्ठित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, रक्षा प्रबंधन कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के भी पूर्व छात्र रहे हैं। जनरल ने मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में दर्शनशास्त्र में मास्टर डिग्री और उस्मानिया विश्वविद्यालय से प्रबंधन अध्ययन में मास्टर डिग्री हासिल की है।

चार दशकों के करियर में, जनरल खंडूरी ने परिचालन क्षेत्रों के व्यापक स्पेक्ट्रम में सेवा की है और कई महत्वपूर्ण कमांड, स्टाफ और अनुदेशात्मक नियुक्तियों पर काम किया है।

जनरल ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल नव के खंडूरी ने 01 नवंबर 2021 को पश्चिमी कमान में कमांडिंग-इन-चीफ की कमान संभाली थी।

वह क्षमता विकास के माध्यम से पश्चिमी कमान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, सैनिकों के साथ अभ्यास और बहु एजेंसी अभ्यास की परिचालन तैयारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध थे।

अधिकारी ने अन्य सैन्य गतिविधियों में सुधार,पारिस्थितिकी तंत्र, सैनिकों, परिवारों और दिग्गजों का कल्याण व टिकाऊपन जैसे प्रशासनिक पहलुओं पर भी जोर दिया।

अपने विदाई भाषण में, सेना कमांडर ने फॉर्मेशन के सभी रैंकों की सराहना की और आभार व्यक्त किया और उन्हें भारतीय सेना की बेहतरीन परंपराओं में अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। पश्चिमी सेना के सभी रैंकों ने जनरल और श्रीमती नव के खंडूरी को उचित और सम्मानजनक विदाई दी।

पैसे की बर्बादी कैसे करते हैं निगम के अफसरों से सीखें

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्ट

पंजाब में हुए लोकसभा उप-चुनाव में स्मार्ट सिटी का मुद्दा राज्य में सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा काफी गर्मजोशी से उठाया गया था। लोगों को आश्वासन दिया गया था कि कांग्रेस शासन में स्मार्ट सिटी के कामों में हुई गड़बड़ियों की जांच विजीलैंस से करवाई जाएगी और सालों से स्टॉर्म वाटर सीवरेज प्रोजेक्ट के लिए खोदी गई सड़कों का निर्माण भी जल्द पूरा किया जाएगा। लोगों ने भी उप-चुनाव में 'आप' पार्टी के सांसद सुशील रिंकू को जितवाकर लोकसभा चुनावो में पार्टी का खाता खोल दिया और इस जीत की खुशी के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा जालंधर में आकर शहर की व्यवस्था को ठीक करने के लिए 100 करोड़ की राशि नगर निगम कमिश्नर को दे दी गई, लेकिन चुनाव खत्म होने के कुछ महीनों बाद भी वर्कशॉप चौक पर 4 साल पहले शुरू हुआ स्मार्ट सिटी का कार्य आज भी अधूरा पड़ा है। पहले इस चौंक से मकसूदां की तरफ जाती सड़क को इंटरलॉक टाइल्स लगाकर छोटा कर दिया गया था जिसका वहां पर आस-पास में रहने वाले लोगों ने जमकर विरोध किया था। बाद में स्टॉर्म वाटर सीवरेज प्रोजेक्ट के कारण नई लगाई गई टाइलों और सड़को को फिर से तोड़ दिया गया। जिसे न तो चुनावो से पहले ठीक किया गया और न ही बाद में किसी ने ठीक करने की कोशिश की। आस-पास रहते लोग आज उस दिन को कोसते नजर आ रहे हैं जिस दिन जालंधर शहर को पहले 100 स्मार्ट सिटी शहरों में आने का सौभाग्य पर्याप्त हुआ था।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट

उनका कहना है कि पिछले कई सालों से उनके बच्चे और बुजुर्गों को इस अधूरे निर्माण कार्य के कारण कई बीमारियों का सामना करना पड रहा है। बरसाती मौसम में सड़क न होने के कारण कई दोपहिया वाहन और राहगीर सड़क पर गिरे हुए मिलते हैं।

गौरतलब है कि साल 2019 में चौंक के सौन्दर्यीकरण के नाम पर वर्कशॉप चौंक की आसपास की सड़कों को खोदा गया था लेकिन अफसरों की नालायकी के कारण इस प्रोजेक्ट को आज तक पूरा नहीं किया जा सका है। चौंक सुन्दर बनाने के लिए खर्च किये गए करोड़ों रूपए भी बर्बाद किये जा चुके हैं जिसे आम जनता टैक्स के रूप में सरकार को देती है। अब आने वाले दिनों में देखना होगा कि स्मार्ट सिटी और नगर निगम में तैनात कमिश्नर इस सड़क का निर्माण कब तक पूरा करवा पाएंगे जिससे कुछ ही महीनों बाद होने जा रहे लोकसभा चुनावो में मौजूदा सरकार को वोट मांगने के वक्त लोगों के गुस्से का सामना न करना पड़े और आने वाले चुनावो में फिर से उनकी पार्टी का ही सांसद बन पाए।

पिछले 4 सालों से अधूरे पड़े स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनने वाली वर्कशॉप चौंक से लेकर एचएमवी कॉलेज तक की खस्ताहाल सड़क का दृश्य।

सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

• EDITOR: ATUL SHARMA • Mobile: 99881-15514 • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

धीमी गति से चल रहा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट लोगों के लिए बना सिरदर्दी

केन्द की योजनाओ को जालंधर के अफसर सुचारू ढंग से लागू करवाने में असमर्थ

साल 2019 में प्रकाशित की गई खबर की कटिंग।

डिप्टी कमिश्नर प्रॉपर्टी खरीददारों को सब-रजिस्ट्रार दफ्तरों में रजिस्ट्रेशन अनुभवों संबंधी फीडबैक लेने के लिए करेंगे फ़ोन

जालंधर के लोगों को निर्विघ्न और भ्रष्टाचार मुक्त रजिस्ट्रेशन सेवाएं सुनिश्चित बनाने के लिए नवीन पहल की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

प्रॉपर्टी खरीददारों से फीडबैक एकत्रित करने के लिए डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल द्वारा आज एक नवीन पहल की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत उनके द्वारा जिले के सभी सब-रजिस्ट्रार अफ़सरों से प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन सेवाएं लेने वाले प्रॉपर्टी खरीददारों को फ़ोन करके उनके रजिस्ट्रेशन अनुभवों संबंधी प्रतिक्रिया हासिल की जायेगी। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि यह फ़ोन कॉल इस बात को सुनिश्चित बनाने के लिए की जाएगी कि आवेदनकर्ताओं को राजस्व सेवाएं सुचारू रूप से मिल रही हैं और उनको रजिस्ट्रेशन के काम के लिए अतिरिक्त पैसे देने के लिए नहीं कहा गया है।

ज़िला प्रशासनिक कंपलैक्स में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर, एस.डी. ऐम्ज़ और सब-रजिस्ट्रारों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने उनको कहा कि जायदाद के खरीददारों और विक्रेताओं की सूची तैयार करके रोज़ाना के आधार पर उनके दफ्तर में जमा करवाई जाये। उन्होंने कहा कि आवेदनकर्ताओं के नाम, मोबाइल नंबर और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सूची में दिखाई जानी चाहिए, जिससे वह उनको रैंडम ढंग से फ़ोन कर सकें। उन्होंने कहा कि लोगों को यह सेवाएं निर्विघ्न और सुचारू ढंग से मिलने को सुनिश्चित बनाने के उद्देश्य से यह प्रयास किया गया है। अपनी फ़ोन कॉल में डिप्टी कमिश्नर द्वारा आवेदनकर्ताओं को कुछ सवाल पूछे जाएंगे, जिनमें रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरा करने में कितना समय लगा, क्या किसी एजेंट, डीड राईटर या राजस्व अधिकारी ने उनसे रिश्वत/अतिरिक्त पैसों की माँग की थी, आदि शामिल हैं। सारंगल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध ज़ीरो- टॉलरैंस की नीति अपनाई गई है और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए राज्य में पहले ही सख़्त कदम उठाए गए हैं।

संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारी गंभीरता व तनदेही से निभाएं जिम्मेदारी : कोमल मित्तल

डिप्टी कमिश्नर ने बैठक कर अलग-अलग विभागों के कार्यों की समीक्षा की

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने कहा कि बरसात के मौसम में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारी गंभीरता से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि फ्लड प्रोटैक्शन वर्क में किसी तरह की लापरवाही न अपनाई जाए और इसे समय रहते पूरा कर लिया जाए। वे आज जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में अलग-अलग कार्यो की समीक्षा संबंधी आयोजित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(सामान्य) राहुल चाबा, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(ग्रामीण विकास) बलराज सिंह व एस.डी.एम होशियारपुर प्रीत इंदर सिंह बैंस भी मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने बी.डी.पी.ओज व नगर परिषदों के कार्यकारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उन स्थानों को चिन्हित करें जहां जल भराव होता है और वहां पर पानी की सुचारु निकासी को यकीनी बनाएं। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्य मंत्री पंजाब की ओर से कुछ महत्वपूर्ण विषयों संबंधी प्रदेश के डिप्टी कमिश्नरों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रबंधों पर विशेष ध्यान के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रुप स्थापित करने के साथ-साथ तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रुम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रुम का टेलीफोन नंबर 01882-220412 है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि तहसील स्तर पर भी बाढ़ कंट्रोल रुम स्थापित किए गए हैं, जिसमें तहसील होशियारपुर के कंट्रोल रुम का टेलीफोन नंबर 01882-244175, तहसील गढ़शंकर में कंट्रोल रुम का नंबर 01884-282026, तहसील दसूहा में कंट्रोल रुम का नंबर 01883-506268 व तहसील मुकेरियां में कंट्रोल रुम का नंबर 01883-244310 है। उन्होंने कहा कि यदि जिले में बरसातों के दौरान बाढ़ की कोई सूचना मिलती है तो वे स्थापित किए गए इन कंट्रोल रुमों पर इसकी सूचना तुरंत दें। इसके अलावा बाढ़ संबंधी कोई सूचना लेनी हो तब भी उक्त नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

दांतों संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब में दांतों संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने के लिए, डायरैक्टर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पंजाब के चंडीगढ़ स्थित मुख्यालय में नेशनल ओरल हैल्थ प्रोग्राम (एनओएचपी) पंजाब के अधीन नए बनाऐ गए जिला नोडल अफ़सरों (डीएनओज़) के लिए एक तिमाही दाँतों की समीक्षा मीटिंग कम इंडकशन ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता डायरैक्टर स्वास्थ्य एवं परिवार भलाई डॉ. आदर्शपाल कौर और डायरैक्टर स्वास्थ्य सेवाएं (पभ) डॉ. रविन्द्र पाल कौर ने सांझे तौर पर की।

मीटिंग का उद्देश्य ओरल हैल्थ जागरूकता गतिविधियों के साथ-साथ दाँतों की सभी ओपीडीज़ में से जाने वाली दाँतों की प्रक्रियाओं के संबंध में सभी जिलों की तिमाही प्रगति की समीक्षा करना था। डॉ. आदर्शपाल कौर ने सभी 23 जिलों के ज़िला डैंटल हैल्थ अफ़सरों (डीडीएचओज) और डीएनओज को दाँतों की सभी ओपीडीज में पहल के आधार पर मुँह के कैंसर की स्क्रीनिंग करवाने के लिए प्रेरित किया और वे समय पर रिपोर्ट करना यकीनी बनाएं।

इस शनिवार को खुले रहेंगे पासपोर्ट सेवा केंद्र और पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पासपोर्ट सेवाओं से सम्बन्धित बढ़ रही अजिऱ्यों के मद्देनजऱ जालंधर आर.पी.ओ. के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी के पासपोर्ट सेवा केंद्र और पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र आवेदनकर्ताओं की सुविधा के लिए इस शनिवार भाव 8 जुलाई, 2023 को खुले रहेंगे।

और अधिक जानकारी देते हुए क्षेत्रीय पासपोर्ट अफ़सर श्री अनूप सिंह ने बताया कि विदेश मंत्रालय द्वारा आवेदनकर्ताओं की सुविधा और सहायता के लिए यह फ़ैसला लिया गया है।

उन्होंने बताया कि अब पासपोर्ट से सम्बन्धित सेवाओं के लिए अपयंटमैंट 8 जुलाई, 2023 के लिए उपलब्ध हैं; अब आवेदनकर्ता विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली की अधिकृत वैबसाईट www.passportindia.gov.in पर जाकर 8 जुलाई के लिए अपने स्लॉट री-शड्यूल और बुक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 08.07.2023 के लिए अपयंटमैंट की उपलब्धता उपरोक्त अधिकारित वैबसाईट से चैक की जा सकती है।

इस सम्बन्ध में यह भी बताया जाता है कि विदेश मंत्रालय द्वारा किसी भी संस्था या मध्यस्थ को अधिकृत नहीं किया गया है, इसलिए आम लोगों को अपने पासपोर्ट के लिए सीधा एम.ई.ए. के अधिकारित पोर्टल भाव www.passportindia.gov.in से अप्लाई करें और किसी भी एजेंट या मध्यस्थ के संपर्क में न आने की सलाह दी जाती है।

बुढापा पैंशन का लाभ सिर्फ योग्य व्यक्ति को ही मिले : डॉ. बलजीत कौर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने राज्य के समूह ज़िला सामाजिक सुरक्षा अफसरों को हिदायत की है कि 15 दिनों के अंदर-अंदर असली बुढापा पैंशन लाभार्थियों की आय सम्बन्धी दस्तावेज़ हासिल किये जाएँ जिससे बुढापा पैंशन का लाभ जरूरतमंद और योग्य व्यक्तियों को ही मिल सके।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पैंशन सम्बन्धी आरंभ की कार्रवाई के दौरान सामने आया कि जे फार्म होल्डरों के बीच में से 63424 ऐसे व्यक्ति हैं जो विभाग की तरफ से बुढापा पैंशन ले रहे हैं और इनकी सालाना आय 60000/- रुपए से अधिक है। जबकि बुढापा पैंशन के लिए लाभार्थी की सालाना आय 60000/- रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पालिसी के अनुसार पैंशन का लाभ उन्हें मिले जो नियमों अनुसार शर्ते पूरी करता है। विभाग की तरफ से ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के उपरांत मंत्री ने ज़िला अधिकारियों को हिदायतें की कि सम्बन्धित व्यक्तियों को 15 दिनों का नोटिस जारी किया जाये और नोटिस प्राप्त होने से 15 दिनों के अंदर-अंदर लाभार्थी अपनी आय सम्बन्धी दस्तावेज़ लेकर ज़िला सामाजिक सुरक्षा अफ़सर दफ़्तर में पेश होकर अपना पक्ष रख सकते हैं।

सैनिक इंस्टीट्यूट जालंधर में बेसिक कंप्यूटर कोर्स के लिए दाख़िला शुरू

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

ज़िला रक्षा सेवा कल्याण कार्यालय, जालंधर में चल रहे सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टैक्नॉलॉजी, जालंधर में तीन महीनों के बेसिक कंप्यूटर कोर्स के लिए दाख़िला शुरू हो गया है।

इस सम्बन्धी और अधिक जानकारी देते हुए इंस्टीट्यूट के डायरैक्टर-कम-ज़िला रक्षा सेवा कल्याण अधिकारी, जालंधर लैफ. कर्नल मनिन्दर सिंह रंधावा (सेवानिवृत्त) ने बताया कि इस कोर्स में दाख़िला लेने की आखिरी तारीख़ 20 जुलाई 2023 है, जबकि कम से कम शैक्षिक योग्यता दसवीं पास है। उन्होंने आगे बताया कि इस कोर्स के लिए सेवा कर रहे सैनिकों/साबका सैनिकों के बच्चों को प्राथमिकता दी जायेगी और पूर्व सैनिकों एवं समाज के कमज़ोर वर्गों के बच्चों से बहुत कम फीस ली जायेगी।

इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ. परमिन्दर कौर सैनी ने बताया कि इस कोर्स में विद्यार्थियों को एमएस-ऑफिस (एमएस वर्ड, एमएस ऐक्सल, एमएस पावर प्वाइंट) प्रिंटिंग, स्कैनिंग, ई-मेलिंग आदि के अलावा पंजाबी और इंग्लिश टाइपिंग भी सिखाई जायेगी।

उन्होंने बताया कि कोर्स ख़त्म होने के बाद विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इन कोर्सों में दाख़िले सम्बन्धी जानकारी कार्यालय से किसी भी काम-काज वाले दिन ली जा सकती है और फ़ोन नंबर 0181-2452290, 7696205657 और 84279-68374 पर सुबह 9 से 4 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

भुलत्थ में सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक रेत/बजरी की ट्रॉलियों/ट्रकों की आवाजाई पर पाबंदी के आदेश

• **जालंधर ब्रीज.** भुलत्थ

सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट सब डिविजन भुलत्थ श्री संजीव शर्मा ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भुलत्थ में रेत/बजरी की ट्रॉलियों/ट्रकों आदि की आवाजाई पर सुबह 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक रोक के आदेश जारी किए है। यह आदेश अनाज/चावल के ट्रकों, भट्टा मालिकों के टिप्परों और दाना मंडी दमौली और फोकल प्वाइंट इब्राहिमवाल के वाहनों पर लागू नहीं होंगे।

आदेश में कहा गया है कि नडाला चौक से टांडा रोड, बेगोवाल तक रेत/बजरी ट्रकों/ट्रॉलियों का यातायात काफी बढ़ गया है, जिसके कारण पिछले दिनों इस सड़क पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इस सड़क पर आबादी होने तथा आस-पास के गांवों को जाने वाली सड़कों के कारण कोई बड़ी जानलेवा दुर्घटना हो सकती है तथा कानून एवं व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए इस सड़क पर रेत/बजरी ट्रकों/ट्रॉलियों की आवाजाई को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है। ये आदेश 5/7/2023 से 4/9/2023 तक लागू रहेंगे।

विश्व कप 2023 : नीदरलैंड्स ने किया क्वालीफाई

11 नवंबर को बैंगलोर में भारत से होगा मुकाबला

फोटो-आईसीसी

मुंबई. नीदरलैंड्स ने स्कॉटलैंड को हराकर विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीदरलैंड्स ने विश्व कप क्वालीफायर्स 2023 के एक मुकाबले में स्कॉटलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही नीदरलैंड्स ने क्वालीफाई कर लिया। नीदरलैंड्स की टीम विश्व कप में 11 नवंबर को भारत के खिलाफ मैच खेलेगी। उसका पहला मैच 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से है, जो कि हैदराबाद में खेला जाएगा।

क्वालीफायर्स के सुपर सिक्सेज में 8वां मुकाबला नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड के बीच खेला गया. स्कॉटलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान के साथ 277 रन बनाए। इसके जवाब में नीदरलैंड्स ने 42.5 ओवरों में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए बेस डी लीडे ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 92 गेंदों का सामना करते हुए 123 रन बनाए। लीडे की इस पारी में 7 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। ओपनर विक्रमजीत सिंह ने 40 रनों की अहम पारी खेली। उनकी पारी में 6 चौके शामिल रहे।

नीदरलैंड्स का विश्व कप 2023 में पहला मैच पाकिस्तान से है। यह मैच 6 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा। इसके बाद न्यूजीलैंड से 9 अक्टूबर और दक्षिण अफ्रीका से 17 अक्टूबर को मैच होगा। टीम 21 अक्टूबर को श्रीलंका और 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। नीदरलैंड्स और बांग्लादेश के बीच में 28 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा। इसके बाद अफगानिस्तान और इंग्लैंड से मैच होगा। नीदरलैंड्स का भारत से 11 नवंबर को मैच होगा। यह मुकाबला बैंगलोर में आयोजित होगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को मोदी जी ने किया साकार : राजेश बाघा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

राष्ट्रवादी नेता जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पावन जयंती पर भारतीय जनता पार्टी जालंधर के अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय जनता पार्टी पंजाब के महासचिव व पूर्व चेयरमैन अनुसूचित जाति आयोग पंजाब राजेश बाघा विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर महामंत्री अशोक सरीन हिक्की भी मौजूद थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.